1. **भक्ति और सूफ़ी आंदोलनों का उद्भव मुख्यतः कब से माना जाता है?**
   A. पाँचवीं शताब्दी से
   B. आठवीं शताब्दी से
   C. बारहवीं शताब्दी से
   D. पंद्रहवीं शताब्दी से (B)

व्याख्या : अध्याय में भक्ति और सूफ़ी आंदोलनों का उद्भव आठवीं शताब्दी से बताया गया है।

2. **भक्ति का मूल अर्थ क्या है?**
   A. कर्मकांडों का पालन
   B. ज्ञान प्राप्ति
   C. किसी देवी-देवता के प्रति श्रद्धा
   D. सामाजिक नियमों का पालन (C)

व्याख्या : भक्ति किसी देवी या देवता के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम को कहा गया है।

3. **नयनार और अलवार संत किस क्षेत्र से संबंधित थे?**
   A. उत्तर भारत
   B. पश्चिमी भारत
   C. दक्षिण भारत
   D. पूर्वी भारत (C)

व्याख्या : नयनार (शैव) और अलवार (वैष्णव) संत दक्षिण भारत के भक्ति आंदोलन से जुड़े थे।

4. **शंकराचार्य किस दर्शन के समर्थक थे?**
   A. द्वैतवाद
   B. विशिष्टाद्वैत
   C. अद्वैतवाद
   D. शून्यवाद (C)

व्याख्या : शंकराचार्य ने अद्वैतवाद का प्रतिपादन किया, जिसमें आत्मा और परमात्मा को एक माना गया है।

5. **रामानुजाचार्य के अनुसार मोक्ष प्राप्ति का मुख्य मार्ग क्या है?**
   A. केवल ज्ञान
   B. कठोर तपस्या
   C. विष्णु के प्रति अनन्य भक्ति
   D. कर्मकांड (C)

व्याख्या : रामानुज ने विष्णु के प्रति भक्ति को मोक्ष का साधन बताया।

6. **वीरशैव आंदोलन की शुरुआत कहाँ हुई थी?**
   A. तमिलनाडु
   B. महाराष्ट्र
   C. कर्नाटक
   D. बंगाल (C)

व्याख्या : वीरशैव आंदोलन बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में प्रारंभ हुआ।

7. **सूफ़ी संत किस बात पर विशेष बल देते थे?**
   A. कठोर शरिया कानून
   B. ईश्वर के प्रति प्रेम और मानवता
   C. राजनीतिक सत्ता
   D. सामाजिक विभाजन (B)

व्याख्या : सूफ़ी संत ईश्वर-प्रेम, भक्ति और मानवता पर ज़ोर देते थे।

8. **चिश्ती सिलसिला किस धर्मिक परंपरा से संबंधित है?**
   A. बौद्ध
   B. जैन
   C. सूफ़ी
   D. शैव (C)

व्याख्या : चिश्ती सिलसिला सूफ़ी परंपरा का सबसे प्रभावशाली सिलसिला माना गया है।

9. **कबीर किस प्रकार के ईश्वर में विश्वास रखते थे?**
   A. सगुण ईश्वर
   B. निराकार ईश्वर
   C. बहुदेववाद
   D. अवतारवाद (B)

व्याख्या : कबीर निराकार परमेश्वर में विश्वास करते थे और बाह्य आडंबरों का विरोध करते थे।

10. **बाबा गुरु नानक ने किन तीन मूल सिद्धांतों पर ज़ोर दिया?**
    A. तप, त्याग और संन्यास
    B. नाम, दान और स्नान
    C. ज्ञान, कर्म और भक्ति
    D. पूजा, व्रत और उपवास (B)

व्याख्या : बाबा गुरु नानक ने नाम (स्मरण), दान (सेवा) और स्नान (आचार-शुद्धता) पर बल दिया।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App